डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 8, अंक 27 अप्रैल–जून, 2017

श्री अंशुमान शर्मा ने प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त पदभार संभाला

निवर्तमान प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा (बायें) के साथ नए प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल रहे श्री अंशुमान शर्मा (दायें)

श्री अंशुमान शर्मा ने 01 जुलाई 2017 से डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त पदभार संभाल लिया। श्री शर्मा डीएफसीसीआईएल में निदेशक, परियोजना नियोजन के पद पर कार्यरत थे।

1984 बैच के आईआरएसई अधिकारी, श्री अंशुमान शर्मा ने रुड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी, रुड़की) से सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री और स्ट्रक्चर्स में मास्टर डिग्री हासिल की है। उनके पास रेल निर्माण परियोजनाओं के नियोजन एवं कार्यान्वयन का लंबा अनुभव है।

श्री शर्मा को एक ब्रिज डिजाइन और कार्यान्वयन विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। वे आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री जिले में गोदावरी नदी पर बने तीसरे यानी बो स्टिंग आर्क ब्रिज के डिजाइन और कार्यान्वयन से जुड़े थे। इसके अतिरिक्त वे, जम्मू–कश्मीर रेल लिंक परियोजना के निर्माण के साथ भी सक्रिय रूप से जुडे थे जिसमें पीर पंजाल रेंज के पार 11 किमी लंबी सुरंग का निर्माण भी शामिल है।

उन्होंने 100 किमी लंबी निर्माण परियोजना, जिसमें 700 मी. से अधिक लंबे दो महत्वपूर्ण पुल शामिल थे, का कार्यान्वयन 8 माह के रिकॉर्ड समय में पूरा किया। इसके लिए उन्हें 1995 में रेल मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने पुल निर्माण तकनीकों पर विभिन्न तकनीकी दस्तावेज भी प्रकाशित किए हैं।

श्री शर्मा 7 वर्षों तक सिविल इंजीनियरिंग संपत्तियों के रख–रखाव और सिकंदराबाद एवं गुंटकल मंडलों की विभिन्न गतिविधियों के समन्वय प्रभारी रह चुके हैं। उन्होंने सल्जबर्ग, ऑस्ट्रिया में व्हील/रेल सिस्टम आप्टीमाइजिंग पर और बीजिंग में चाइना रेल वर्ल्ड समिट जैसे सम्मेलनों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में भाग लिया है। श्री शर्मा ने इरकॉन द्वारा कार्यान्वित डीएमआरसी की विभिन्न परियोजनाओं के लिए सुपरवाइजरी बोर्ड मेंबर के रूप में भी कार्य किया।

श्री अंशुमान शर्मा, डीएफसीसीआईएल में बतौर निदेशक/परियोजना नियोजन अप्रैल, 2011 में नियुक्त हुए थे और तब से वे डीएफसी परियोजना के नियोजन एवं कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पूर्वी डीएफसी के वर्ल्ड बैंक पोषित हिस्सों के प्रमुख कांट्रैक्टों को अवार्ड करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। उनकी तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल डीएफसी नेटवर्क पर बने सबसे बड़े पुल– सोन ब्रिज (3.1 किमी) और पूर्वी डीएफसी के विभिन्न सेक्शनों पर एनटीसी मशीन से ट्रैक लिंकिंग में भी किया गया।

मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के लिए दो समझौतों पर हस्ताक्षर

(DMICDC के प्रबंध निदेशक श्री अल्केश कुमार शर्मा (बायें चित्र में) और हरियाणा सरकार के प्रधान सचिव, उद्योग श्री सुधीर राजपाल (दायें चित्र में) के साथ दिनांक 5 मई 2017 को MoU का आदान–प्रदान करते डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा)

तीव्र एवं किफायती परिवहन और लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध डीएफसी ने मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौतों (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते दिल्ली–मुंबई इंडस्ट्रियल कोरीडोर डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन (DMICDC) और डीएमआईसी हरियाणा मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब प्रोजेक्ट लिमिटेड (DMMLH) के साथ किए गए हैं। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दिनांक 03–05 मई 2017 तक आयोजित इंडिया इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट ऐंड लॉजिस्टिक्स समिट (IITLS) के अंतिम दिन डीएफसीसीआईएल की ओर से तत्कालीन प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा ने इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

पहला समझौता DMICDC के साथ हुआ है, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करना एवं आपसी हितों को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत दोनों संगठन मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करेंगे। DMICDC की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक श्री अल्केश कुमार शर्मा ने MoU पर हस्ताक्षर किए। दूसरा समझौता DMMLH के साथ हुआ है, जिसका उद्देश्य हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में लॉजिस्टिक्स हब का विकास करना है। DMMLH की ओर से हरियाणा सरकार के प्रधान सचिव, उद्योग ने MoU पर हस्ताक्षर किए।

इन समझौतों के जरिए तीनों संगठन विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का निर्माण करने के लिए एक–दूसरे की विशेषज्ञता, संसाधनों और तकनीकी ज्ञान का लाभ उठाएंगे। हरियाणा राज्य से डीएफसी के पश्चिमी कोरीडोर नेटवर्क का 177 रूट किमी हिस्सा गुजर रहा है।

श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक को सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई

डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा दिनांक 30.06.2017 को पद से सेवानिवृत्त हो गए। श्री शर्मा अक्टूबर 2014 से जून 2017 तक प्रबंध निदेशक के पद पर रहे। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन श्री ए. के. मित्तल समेत डीएफसीसीआईएल के अनेक अधिकारियों ने परियोजना में उनके योगदान की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं।

निवर्तमान प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा के विदाई समारोह पर विचार प्रकट करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड श्री ए. के. मित्तल

प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त पद भार ग्रहण करने वाले निदेशक/परियोजना नियोजन निवर्तमान प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए

अप्रैल–जून 2017 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

प्रमुख उपलब्धियां

- **रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन:** सिविल कार्यों की प्रगति इस प्रकार है:
  - उपरोक्त अवधि के दौरान ब्लैंकेटिंग सहित 42.6 किमी फॉर्मेशन
  - 3 बड़े पुलों का निर्माण, अब तक कुल 39 बड़े पुलों का निर्माण
  - 18 छोटे पुलों का निर्माण, कुल निर्मित छोटे पुलों की संख्या 498 तक पहुंची, अब तक 77 रोड अंडर ब्रिजों (RUBs) का निर्माण
  - 76.84 किमी ट्रैक लिंकिंग, ट्रैक लिंकिंग की समग्र प्रगति 22.9%
- **भाऊपुर–मुगलसराय सेक्शन:** सिविल कार्यों की प्रगति निम्नलिखित है:
  - अर्थवर्क का कार्य 180 किमी से ज्यादा स्ट्रेच में जारी
  - 23 बड़े पुलों और 275 से ज्यादा छोटे पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर
  - पटरियों की समयबद्ध आपूर्ति
  - टोंस और यमुना पर बनने वाले महत्वपूर्ण पुलों का कार्य निर्धारित समय के अनुसार जारी
- **खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन:** सिविल कार्यों की प्रगति इस प्रकार है:
  - 8 किमी ब्लैंकेटिंग, 3 छोटे पुलों का निर्माण एवं 33.18 किमी ट्रैक लिंकिंग का कार्य संपन्न
  - इस सेक्शन में अब तक कुल 229.24 किमी ट्रैक लिंकिंग का कार्य पूरा

पूर्वी डीएफसी

- खुर्जा–दादरी सेक्शन के अंतर्गत बुलंदशहर जिले में राज्य सरकार के सहयोग से 27 किमी भूमि पर कब्जा प्राप्त कर लिया गया है तथा इस भूमि पर सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस भूमि पर पिछले 2–3 वर्षों से विवाद चल रहा था और सरकारी प्रकिया पूर्ण होने पर भी किसान बढ़े हुए मुआवजे की मांग कर रहे थे। यह सेक्शन 46 किमी लंबा है, जिसमें 40 किमी पर सर्वेक्षण तथा जिओटेक्निकल जांच का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस सेक्शन में भौतिक कार्य भी शुरु हो चुका है और 3 किमी भाग में मिट्टी का कार्य H/2 लेवल तक पूरा कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त 10 छोटे पुलों का कार्य शुरु किया जा चुका है तथा 2 बड़े पुलों पर जिओटेक्निकल जांच पूरी कर ली गई है तथा टेस्ट फाइल बना ली गई है।
- साहनेवाल–पिलखनी सेक्शन में डीएफसी ROW की संपूर्ण भूमि अधिग्रहित कर निर्माण कार्य हेतु दे दी गई है। इस सेक्शन में पूरे 181 किमी स्ट्रेच का प्रिलिमिनरी डिजाइन एवं 90 किमी का डेफिनिटिव डिजाइन पूरा किया गया। 11 बड़े पुलों एवं 17 छोटे पुलों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। लगभग 70 किमी स्ट्रेच में अर्थवर्क कार्य प्रगति पर है, 22 किमी स्ट्रेच में H/2 फॉर्मेशन तथा 4 किमी स्ट्रेच में 'H' फॉर्मेशन पूरी कर ली गई है। टेस्ट फाइल का कार्य 8 बड़े पुलों पर पूरा कर लिया गया है।
- खुर्जा–पिलखनी सेक्शन (CP–303) में सिविल कार्यों के वित्तीय बिड के लिए 6 ऑफर प्राप्त हुए, जिनका मूल्यांकन चल रहा है।
- खुर्जा–दादरी सेक्शन (CP–105) में सिस्टम कार्यों के लिए PQ मूल्यांकन रिपोर्ट को वर्ल्ड बैंक की NOC प्राप्त हो चुकी है। संशोधित बिड प्रपत्र के लिए NOC दिनांक 05.06.2017 को प्राप्त हुई। RFP की प्री–सब्मिशन कांफ्रेंस 14.07.2017 को निर्धारित की गई है।
- पिलखनी–साहनेवाल सेक्शन (CP–304) में सिस्टम कार्यों के लिए PQ मूल्यांकन रिपोर्ट को वर्ल्ड बैंक की NOC प्राप्त हो चुकी है। संशोधित बिड प्रपत्र के लिए NOC दिनांक 30.05.2017 को प्राप्त हुई। RFP की प्री–सब्मिशन कांफ्रेंस 07.07.2017 को निर्धारित की गई है।
- खुर्जा–पिलखनी सेक्शन (CP–305) में सिस्टम कार्यों के लिए PQ मूल्यांकन रिपोर्ट को वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस दिनांक 12.05.2017 को प्राप्त हो गई है।
- खुर्जा–पिलखनी सेक्शन में PMC सेवाओं के लिए संयुक्त मूल्यांकन रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा चुका है। उच्चतम संयुक्त अंक प्राप्तकर्ता के साथ दिनांक 26.04.2017 और 01.05.2017 को समझौता वार्ता (negotiation) आयोजित की गई। अनुबंध समझौते के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- EDFC-2 में सिग्नलिंग कार्यों के लिए ISA की नियुक्ति हेतु EOI: शॉर्टलिस्टिंग मूल्यांकन रिपोर्ट को वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस दिनांक 06.04.2017 को प्राप्त की गई। RFP को वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस के लिए जमा कर दिया गया है।

पश्चिमी डीएफसी

- साबरमती और माही नदियों पर निर्माणाधीन पुलों पर 12 पीअरों पर फाउंडेशन कार्य प्रगति पर है। 43.20% कंक्रीटिंग कार्य पूरा किया जा चुका है। समग्र भौतिक प्रगति (overall physical progres) लगभग 26.50% और समग्र वित्तीय प्रगति (overall financial progress) लगभग 22.50% है।
- इकबालगढ़–मकरपुरा सेक्शन (289 किमी) पर 96% सर्वे डेटा वैलिडेशन और 98% जिओटेक्निकल जांच का कार्य पूरा किया जा चुका है। डिजाइन वर्क प्रगति पर है। क्लियरिंग–ग्रबिंग और अर्थवर्क भी शुरु हो चुका है। अब तक कांट्रैक्टर को कुल रु. 501.76 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया जा चुका है।
- स्पेशल स्टील ब्रिजों के निर्माण में सर्वे एवं जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा किया जा चुका है। अब तक कुल रु. 108 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। कंक्रीटिंग और फाउंडेशन का कार्य तेजी से प्रगति पर है।
- साचिन–वैतरणा सेक्शन (186 किमी) में कुल 186 किमी Right of Way (ROW) का वेरिफिकेशन किया जा चुका है और 122.5 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द की जा चुकी है। क्लियरिंग व ग्रबिंग का कार्य शुरु हो चुका है। 50% सब कांट्रैक्टर निर्धारण भी किया जा चुका है। अब तक कांट्रैक्टर को कुल रु. 91.54 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।
- वडोदरा–साचिन सेक्शन (134 किमी) पर भौतिक कार्य शुरु हो चुका है। 131 किमी ROW का वेरिफेकशन किया जा चुका है और कांट्रैक्टर को सुपुर्द किया जा चुका है। अब तक कांट्रैक्टर को कुल रु. 115.65 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया जा चुका है।
- रेवाड़ी–दादरी सेक्शन (128 किमी) पर कांट्रैक्टर द्वारा ROW का वैलिडेशन शुरु किया जा चुका है। कुल 135 किमी की लंबाई में से, 122 किमी ROW वेरिफाई किया जा चुका है और 117.62 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द की जा चुकी है। अब तक कांट्रैक्टर को कुल रु. 184.65 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया जा चुका है।
- वैतरणा–जेएनपीटी सेक्शन (102 किमी) पर कांट्रैक्टर द्वारा ROW का वैलिडेशन शुरु कर दिया गया है। कुल 102 किमी लंबाई में से 83 किमी ROW कांट्रैक्टर को सुपुर्द किया जा चुका है। कांट्रैक्टर को अब तक रु. 137.25 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया जा चुका है।
- मकरपुरा–जेएनपीटी सेक्शन (443 किमी) पर 92% सर्वे एवं जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा किया जा चुका है। डिजाइन

कार्य प्रगति पर है। पहली और दूसरी, दोनों मोबिलाइजेशन एडवांस राशि का भुगतान (कुल रु. 128.57 करोड़) कांट्रैक्टर को किया जा चुका है।

- मकरपुरा–जेएनपीटी सेक्शन पर सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन कार्यों के लिए जांच एवं डिजाइन कार्य प्रगति पर हैं। अभी तक कांट्रैक्टर को कुल रु. 63.55 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

भूमि अधिग्रहण (30 जून 2017 तक)

	पूर्वी डीएफसी	पश्चिमी डीएफसी	कुल
अधिग्रहण योग्य भूमि	5662 हेक्टेयर	6000 हेक्टेयर	11662 हेक्टेयर
कुल अधिग्रहित भूमि	4981 हेक्टेयर	5803 हेक्टेयर	10784 हेक्टेयर
भूमि अधिग्रहण का प्रतिशत	88.1%	96.7%	92.5%
भूमि अधिग्रहण का प्रतिशत (पीपीपी सेक्शन को छोड़कर)	95.8%	96.7%	96.2%
क्षतिपूर्ति का भुगतान	रु.6240 करोड़	रु.5548 करोड़	रु.11,788 करोड़

परिचालन एवं व्यवसाय विकास

कंसल्टेंसी सेवाएं

- ISMD: कंसल्टेंट ने निम्नलिखित संशोधित रिपोर्ट जमा की हैं:
  - ऑपरेशन मैन्यूअल दिनांक 14.04.2017 को
  - सब्जेक्ट रिपोर्ट फॉर सेफ्टी दिनांक 19.04.2017 को
  - सब्जेक्ट रिपोर्ट फॉर एच.आर. दिनांक 18.04.2017 को
  - स्ट्रैटजी रिपोर्ट दिनांक 25.04.2017 को
  - सिविल मेनटेनेंस मैन्यूअल का मसौदा दिनांक 30.05.2017 को
- DMCSD: "ट्रैफिक रूट कॉस्टिंग प्राइसिंग स्ट्रेटजी" पर KD–2b रिपोर्ट पूरी
- HHRCDI: कंसल्टेंसी असाइनमेंट के लिए कार्य सफलतापूर्वक संपन्न

मानव संसाधन

- 41 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अप्रैल माह में, 78 ने मई माह में और 11 ने जून माह के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं में ट्रेनिंग प्राप्त की।
- ओपन मार्केट से भर्ती किए गए इलेक्ट्रिकल, S&T और सिविल के 26 कार्यकारियों के दस्तावेजों का सत्यापन तथा कार्यकारियों का मेडिकल टेस्ट कराया गया।
- 11 अधिकारियों ने प्रतिनियुक्ति (deputation) पर डीएफसीसीआईएल ज्वाइन किया।
- विभिन्न विभागों के 10 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई। सहायक परियोजना प्रबंधक (APM) को पदोन्नत करके उप परियोजना प्रबंधक (Dy- PM) बनाने के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए।
- 15 सहायक प्रबंधकों और कार्यकारियों को ओपन मार्केट से सीधी भर्ती के जरिए नियुक्त किया गया।

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR)

- भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के साथ मिलकर डीएफसीसीआईएल द्वारा 10 केंद्रों पर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षण (Skill Development Training) प्रदान किया गया।
- कुल 1450 अभ्यर्थियों ने इलेक्ट्रिशियन, डेटा एंट्री ऑपरेटर एवं मकैनिकल आदि की ट्रेनिंग पूरी की।
- ये प्रशिक्षण कार्यक्रम परियोजना से प्रभावित लोगों को रोजगार के वैकल्पिक साधन मुहैया कराने के लिए आयोजित किए जाते हैं।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

डीएफसीसीआईएल कॉर्पोरेट कार्यालय में दिनांक 06.06.2017 से 12.06.2017 तक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डीएफसीसीआईएल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड एवं अन्य भारतीय रेल अधिकारियों द्वारा व्याख्यान भी दिए गए।

कार्यशाला के दौरान प्रतिदिन राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कार्यशाला के अंतिम दिन एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया एवं उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

दिनांक 19.06.2017 को 31 मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही अवधि की डीएफसीसीआईएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजभाषा विभाग में सलाहकार अथवा पुनर्नियुक्ति के आधार पर शीघ्र ही किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी/अधिकारी को नियुक्त किया जाए।

जयपुर और अजमेर परियोजना कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तर्ज पर शेष परियोजना कार्यालयों में भी राजभाषा समितियों के गठन एवं बैठकों के आयोजन के निर्देश दिए गए। प्रबंध निदेशक महोदय ने जनवरी–मार्च 2017 तिमाही के दौरान हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए श्री संजीव कुमार सक्सेना, प्रबंधक/सतर्कता को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए कर्मचारियों को सम्मानित करते प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा

अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में डीएफसी की भागीदारी

ग्लोबल एक्सबिशन ऑन सर्विसेज (GES) प्रदर्शनी

डीएफसीसीआईएल ने 17 से 20 अप्रैल, 2017 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो ऍंड मार्ट में आयोजित ग्लोबल एक्सबिशन ऑन सर्विसेज (जीईएस) प्रदर्शनी में भाग लिया। इस दौरान डीएफसीसीआईएल के स्टाल पर देश–विदेश से आए अनेक लोगों को परियोजना के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

इंडिया इंटग्रेटेड ट्रांसपोर्ट ऍंड लॉजिस्टिक्स प्रदर्शनी

डीएफसीसीआईएल ने इंडिया इंटग्रेटिड ट्रांसपोर्ट ऍंड लॉजिस्टिक्स समिट (IITLS), 2017 में आयोजित प्रदर्शनी में भागीदारी की। डीएफसीसीआईएल का स्टाल भारतीय रेल पवेलियन में था। यह प्रदर्शनी 03 से 05 मई 2017 तक नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित की गई।

योग को जीवन शैली में शामिल करने का संकल्प

डीएफसीसीआईएल में तीसरा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिनांक 21.06.2017 को डीएफसीसीआईएल कॉर्पोरेट कार्यालय में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा, निदेशक/परियोजना नियोजन श्री अंशुमान शर्मा, निदेशक/अवसंरचना श्री डी. एस. राणा एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. के. लाल समेत डीएफसीसीआईएल के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी गणों ने योग अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। क्षेत्रीय इकाइयों में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

अप्रैल 2017

श्री आर. के. रस्तौगी
उप परियोजना प्रबंधक/सिविल/नोएडा

अलवर जिले में भूमि अधिग्रहण के एक जटिल मामले को सफलता पूर्वक सुलझाने और निर्मित संरचना को सुरक्षित रूप से हटाने में केंद्रीय भूमिका अदा की

मई 2017

श्री विजय कुमार तिवारी
कार्यकारी/सेमू/पश्चिमी कोरीडोर

सूरत जिले में भूमि अधिग्रहण के एक तकनीकी मामले को सफलतापूर्वक सूलझाने में अहम योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप संगठन का संभावित आर्थिक नुकसान टाला जा सका।

जून 2017

श्री शशांक शेखर
कार्यकारी/भूमि अधिग्रहण/कॉर्पोरेट कार्यालय

भूमि अधिग्रहण की गजट अधिसूचना के प्रकाशन की प्रक्रिया को तेज करने में सराहनीय योगदान दिया। फलस्वरूप इस प्रक्रिया में लगने वाले औसत समय में 36 से 43 प्रतिशत की कमी आई।

कार्य की प्रगति

पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन में माउंडा के पास बना रहा रोड ओवर ब्रिज

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन में रेल फ्लाई ओवर का निर्माण प्रगति पर

पश्चिमी डीएफसी में रींगस के पास बन रहा रोड ओवर ब्रिज

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार,
पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: mowais@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** मो. ओवैस, **सह-संपादक:** राजेश खरे

www.facebook.com/dfccil.india **www.twitter.com/dfccil_india** **www.youtube.com/dfccilindia**